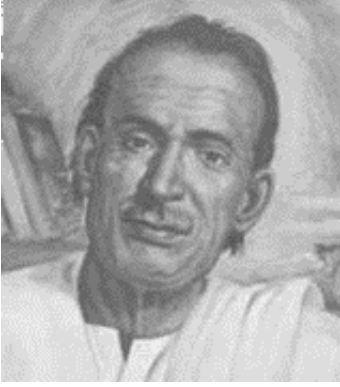


आचार्य कृपलानी

हाल ही में प्रधानमंत्री ने आचार्य कृपलानी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।



आचार्य कृपलानी:

परिचय:

- उनका जन्म 11 नवंबर, 1888 को सधि (हैदराबाद) में हुआ था।
- उनका मूल नाम जीवतराम भगवानदास कृपलानी था, लेकिन उन्हें आचार्य कृपलानी के नाम से जाना जाता था। वह एक स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय राजनीतिज्ञ और शिक्षाविद थे।

शिक्षाविद:

- वर्ष 1912 से 1927 तक उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में पूरी तरह से शामिल होने से पूर्व विभिन्न स्थानों पर अध्यापन का कार्य किया।
- वर्ष 1922 के आसपास जब वे महात्मा गांधी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ में अध्यापन कार्य कर रहे थे, तब उन्हें 'आचार्य' उपनाम प्राप्त हुआ।

पर्यावरणविद:

- कृपलानी जी वनोबा भावे के साथ 1970 के दशक में पर्यावरण के संरक्षण एवं बचाव गतिविधियों में शामिल रहे।

स्वतंत्रता सेनानी:

- वह असहयोग आंदोलन (1920-22) और सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930 में शुरू) तथा भारत छोड़ो आंदोलन (1942) का हिस्सा रहे।
- स्वतंत्रता के समय वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के अध्यक्ष थे। उन्होंने भारत की अंतरिम सरकार (1946-1947) और भारत की संविधान सभा में योगदान दिया।

राजनीतिक जीवन:

- आज़ादी के बाद कांग्रेस छोड़कर वह किसान मज़दूर प्रजा पार्टी (KMPP) के संस्थापकों में से एक बन गए।
- वह 1952, 1957, 1963 और 1967 में प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के सदस्य के रूप में लोकसभा के लिये चुने गए।
- उन्होंने भारत-चीन युद्ध (1962) के तुरंत बाद वर्ष 1963 में लोकसभा में पहली बार अवशिवास प्रस्ताव पेश किया।
 - वर्ष 1963 में कांग्रेसी नेता सुचेता कृपलानी, उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं, जो देश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री थीं, जबकि उनके पति आचार्य कृपलानी कांग्रेस के वरिधी बने रहे।
- वह नेहरू की नीतियों और इंदिरा गांधी के शासन के आलोचक थे। उन्हें आपातकाल (1975) के दौरान गरिफ्तार कर लिया गया।

पुस्तकें:

- उनकी आत्मकथा 'माई टाइम्स' (My Times) वर्ष 2004 में मरणोपरांत प्रकाशित हुई।
- कृपलानी, गांधी: हज़ि लाइफ एंड थॉट (1970) सहित कई पुस्तकों के लेखक थे।

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/acharya-kripalani>

